

असाबारण

EXTRAORDINARY

भ ग **I**---वंद

PART I .-- Section 1

अधिकार से प्रकारिक

PUBLISHED BY AUTHORITY

™• 296]

नर्र विल्ली, शक्तार, विसन्तर ६ 1974/अग्रहायण ३५ 1896

Mo. 196] NEW DRLHI, FRIDAY, DECEMBER 6, 1974/AGRAHAYANA 15, 1896

इस भाग में भिष्ण पृष्ठ संख्या नी जाती हैं जिससे कि यह अलग मंकसम के रूप में रखा का तबे :

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMERCE

EXPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 6th December 1974

Subject.—Emergency Relief Credit of Rs. 100 million extended by the Government of India.

No. 42-RTC(PN)/74.—In supersession of Public Notice No. 41-ETC(PN)/74, dated the 28th November, 1974, exports under the above mentioned Credit will be allowed from India to Bangla desh in respect of commodities namely, Salt, Pig Iron and Cement which have been mutually agreed upon by the Governments of India and Bangladesh.

2. Exports under this arrangement will be allowed through eligible exporters. The eligible exporter for this purpose will be the State Trading Corporation or any person nominated by the State Trading Corporation and authorised under the law to do business in India and who may be willing to undertake exports of Salt and Cement from India to Bangladesh in terms of the conditions prescribed in this Public Notice, and whose application conforms to the provisions of the Public Notice. In case of Pig Iron the eligible exporters will be M/s. SAIL International Ltd., New Delhi. Export licences/endorsements on shipping bills will be granted to eligible exporters by the Jt. Chief Controller of Imports & Exports. Calcutta. The licensing authority for this purpose will be the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta even if the exports have to be made from a port other than Calcutta.

- 3. Before applying for an export heence/endorsement of shipping bill, the intending exporter will be required to negotiate with the eligible importer in Bangly desh holding an import heence or an authorisation to import goods into that country under the Credit mentioned above
- 4. All exports under this provision shall be against irrevocable letters or credit. The particulars of the confirmed letters of credit will be sent by the State Bank of India, Chowvinghee Branch, Calcutta to the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta on the basis of which the Jt. Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta will consider the application for the grant of export licence/endorsement of shipping hill—for exports to Bangladesh in respect or commodity and the value for which the contract has been concluded and the letter of credit established.
- 5. Export Incences issued and the shipping bills endorsed in pursuance of this Public Notice will be stamped as under:-
 - "Exports against Emergency Relief Credit of Rs 400 million extended to Bangladesh",
- 6. The following conditions shall be imposed on the export inconces endorsements of shipping bills:— $\,$
 - (1) the payment in respect of the exports shall be made through the Emergency Relief Credit of Rs. 100 million.
 - (ii) the goods exported under this licence/shipping bill shall not be reimported into India.
- 7. Payments in respect of these exports will be made to the exporter or their bankers in India by the State Bank of India, Chowrighee Branch, Calculta on presentation of the necessary documents in accordance with the prescribed procedures.
- 8. Exports made to Bangladesh, under the provisions of this Public Notice will not qualify for benefits available to exporters under the import policy for registered exporters.

B. D. KUMAR.

Chief Controller of Imports and Exports.

वाणिज्य मंत्रालय

निर्यात व्यापार निर्यंत्रण

मार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर 1974

विषय.--भारत सरकार द्वारा बढ़ाया गया 10 करोड़ रुपये का आयात सहायता ऋण !

- सं 12-ई०टी०सी० (पी एन)/74.— सार्वजिनक मूचना सं 41-ई०टी०सी० (पी०एन०) 74. दिनांक 28 नवम्बर, 74 के अधिकाग में उपयुक्त केडिट के अन्तर्गत नमक, कच्चा लोहा एवं मीमेंट जैमी वस्तुओं के मंबंध में जिसके लिए भारत एवं बागला देश की मरकारों के बीच परस्पर महमति हो चुकी है, भारत से बांगला देश निर्धात करने की अनमति ही जाएगी।
- 2. इस व्यवस्था के अन्तर्गत निर्मातों की स्त्रीकृति पाद निर्मातकों के माध्यम में दी जाएगी। इस कार्य के लिए पाद निर्मातक राज्य व्यापार निर्मा या जो राज्य व्यापार निर्मा द्वारा नामित कोई व्यक्ति होगा और वह कातून के अन्तर्गत इस व्यापार को करने के लिए प्रांधिकृत होगा और जो इस मार्वजनिक सूचना में निर्मारित शर्ती के अनुसार तमक तथा सीमेंट का भारत से बांगला देश में निर्मात करने के लिए बचन देने के लिए इंच्छुकं है और जिनके स्रोधेदक की एएट इस सार्वजनिक सूचना की शर्ती से हो जाती है। कच्चे लोहे के मामले में सबंधी सेल उन्टरनेशनल लिए नई दिल्ली पात्र निर्मातक होगा। पात्र निर्मातकों की

निर्यात जाइसेस/पोतलदाम बिलो पर पृष्टाकन संयुक्त गुरूष नियंत्रक, ग्राय(त-निर्यात कलकत्तः द्वारा प्रदान किए जाएगे। इस काय के लिए लाइसेस प्राधिकारी संयुक्त मध्य नियंत्रक ग्रायात-निर्यात अलकत्ता इन निर्यातों के सामले में भी होगा जिनका निर्यात कलकत्ता से भिन्न ग्रन्य पत्तन से किया जाएगा ।

- अ निर्यात लाइमेंम्,पानलदान विल पर पृष्ठाकन के लिए आवेदन करने में पूर्व इच्छुक निर्यातक के लिए यह आवश्यक होगा कि वह आगला देश के उस पाव आयानक में मीदा तय करें कि उपर्यक्त कैडिट के अन्तर्गत उस देण में माल का आयान करने के लिए उसके पास आयान लाइसेंस या आधिकार है ।
- । इस व्यवस्था के ब्रह्मगंत सभी निर्मात स्परिवर्तनीय साख-पत के महे किए जाएगे। पृष्ट किए गए साख-पत्न के व्यारं भारत के स्टेट बैंक, चारगी णाखा, कलकत्ता द्वारा संयुद्द मुख्य नियंत्रक, ब्रायात-निर्यात, कलकत्ता को भेजे जाएगे जिसके ब्राधार पर संयुद्ध नियंत्रक स्थायात-निर्यात, कलकत्ता द्वारा उस पत्यवस्तु ब्रार मृत्य के संबंध में जिसके लिए सविद्या तय की गई है ब्रार साख पत्न की स्थापना की गई है, ब्रागला देश में निर्यातों के लिए निर्यात लाइसेंस,पातलवात बिल पर पष्ठाकन के लिए ब्रावेदन पत्न पर विचार किया जाएगा।
- 5 इस सार्वजनिक सचना के अनुसरण में जारी किए गए निर्मात लाइसेसी एवं परशंकित किए गए पोतलदान बिलीपर निम्न प्रकार से महर लगाई जाएगी:——

ंबागला देण के लिए बहाए गए 10 करोड़ रूपये के स्रापात सहायता ऋण के महे निर्यात ।

- तिर्यात लाइमेमों/पंग्लबानं। बिला पर निम्त्रलिखित शर्ने लगाई जाएगी:---
- (1) नियातो के सर्वध्र में भूगतान 10 करोड़ रुपये के श्रापात महायता ऋण के माध्यम में किया जाएगा।
- (2) इस लाइसॅस/पोतलदान बिल के अन्तगत निर्यात किए गए माल का भारत में पुन प्राथात नहीं किया जाएगा ।
- 7. इन निर्यातों के सब्ध में भगतान निर्धारित प्रक्रिया के ब्रमुसार ब्रावण्यक दस्तावेजा के प्रस्नुतीकरण पर भारत के स्टेट बैंक चीरगी शाखा. क्लकचा द्वारा किए जाएंगे ।
- 8 ्श मार्चअतिक श्चना की कावस्थायों के अन्तगत बांगला देश का किए गए निर्यात पत्रीक्षत नियतिकों के लिए अध्यात नीति के अस्थात नियानकों की उपलब्ध होने वाले लाओं के लिए अध्यत नहीं होंगे ।

त्री० हो० कुमार. मख्य नियंतकः यायात-नियात